उत्तर प्रदेश सरकार

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

मिशन प्रेरणा
उत्तर प्रदेश, प्रेरक प्रवेश

LLF
Language and Learning
f o u n d a t i o n
Strong Foundation, Stronger Future

सहज-1

कक्षा-1

निःशुल्क वितरण हेतु
सत्र 2020-2021

मुझे पढ़ना पसन्द है।

कोड नं०-25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020-21

सहज-1

कक्षा-1

संरक्षण	:	**श्रीमती रेणुका कुमार, आई.ए.एस** अपर मुख्य सचिव (बेसिक शिक्षा) उ.प्र. शासन, लखनऊ
निर्देशन		**श्री विजय किरन आनन्द, आई.ए.एस** महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र.
संकल्पना एवं मार्गदर्शन	:	**श्री सत्येन्द्र कुमार, आई.ए.एस.** अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ.प्र. **डा0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह** निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ
समन्वयन	:	**श्री आनन्द कुमार पाण्डेय,** वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा **श्रीमती शिखा शुक्ला,** विशेषज्ञ, गुणवत्ता, समग्र शिक्षा **श्री पी. एम. अन्सारी,** राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा
परामर्श	:	**श्री अजय कुमार सिंह,** राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ **श्रीमती दीपा तिवारी,** राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ.प्र., लखनऊ
समीक्षा एवं संपादन	:	**श्री पी. एम. अन्सारी,** राज्य सलाहकार, गुणवत्ता शिक्षा, समग्र शिक्षा **श्री रमेश चंद्र,** लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
लेखन मंडल	:	डॉ दिलीप कुमार तिवारी (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय जुगराजपुर, कौशाम्बी, एवं SRG कौशाम्बी जनपद), कृष्ण मुरारी उपाध्याय (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय पठा, महरौनी, ललितपुर) योगेन्द्र सिंह (प्रधानाध्यापक, प्राथमिक विद्यालय सलारपुर, रामनगर, जौनपुर एवं ARP जौनपुर), रागिनी गुप्ता (प्रधानाध्यापिका, अभिनव प्रा0वि0 ककोरगहना, जौनपुर), सुशील कुमार उपाध्याय (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय चांदपुर, सिकरारा, जौनपुर एवं ARP जनपद जौनपुर) वन्दना गुप्ता (सहायक अध्यापिका, पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्हौर, चिनहट, लखनऊ) श्रीप्रकाश सिंह (प्रधानाध्यापक, आदर्श प्राथमिक विद्यालय, मड़ियाहूँ प्रथम, रामनगर, जौनपुर एवं ARP जौनपुर) जय शेखर (सहायक अध्यापक, प्राथमिक विद्यालय धुसाह 1, बलरामपुर), जय प्रकाश सिंह (सहायक अध्यापक, पू.मा.वि खरगापुर, डीघ, भदोही) गजेन्द्र कुमार (सहायक अध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पूरेशम्भू, औराई, भदोही एवं ARP), सुप्रिया घोष (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली) सहदेव पंवार (लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन, नई दिल्ली)
ले–आउट एवं ग्राफिक्स डिज़ाइन	:	प्रेमचन्द सैनी (ग्राफिक डिजाईनर), जयपुर, राजस्थान
चित्रांकन	:	सुशांता दास, हीरा धुर्वे, पूजा साहू, सुबिनिता देशप्रभु, निलेश गहलोत, हबीब अली

अन्तः पृष्ठ के कागज का विशिष्टीकरणः प्रयुक्त कागज मिल **के.आर पल्प एण्ड पेपर्स लि०/सेन्चुरी पल्प एण्ड पेपर** वर्जिन पल्प युक्त कागज बैम्बू अथवा वुड बेस्ड (Bamboo or wood based) के अतिरिक्त अन्य एग्रो बेस्ड (Agro based) अर्थात बगाज पर आधारित एवं क्रीम लेड एण्ड क्रीमवोब पेपर 70 जी.एस.एम. भार तथा आकार 50.8 सेमी.x 76.2 सेमी. का है। कागज की ब्राइटनेस न्यूनतम 80 प्रतिशत, वन मिनट कॉब टेस्ट की अधिकतम औसत 22, ब्रेकिंग लेन्थ क्रॉस डायरेक्शन 1700, मशीन डायरेक्शन 2500, ओपेसिटी न्यूनतम–85 प्रतिशत एवं रजिस्टेन्ट टू फेदरिंग–टू पास द टेस्ट, टियर इन्डेक्स सी0डी0 4.0 एवं एम0 डी0 3.5 है। प्रयुक्त होने वाला कागज में अन्य विशिष्टियाँ बी0 आई0 एस0 कोड–1848 (चौथा पुनरीक्षण) के अनुसार हैं।

पुस्तकों में प्रिण्ट साइजः 15.9 सेमी. x 22.1 सेमी, ट्रिम साइजः 18.41 सेमी x 24.13 सेमी. है।

प्रकाशक	:	**अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा**
मुद्रक	:	**नवज्योति प्रेस, पंचवटी, मथुरा**
मुद्रित प्रतियों की संख्या	:	**1,68,813**

उत्पादन : पाठ्य पुस्तक विभाग, शिक्षा निदेशालय (बेसिक), उ0प्र0।

© उत्तर प्रदेश शासन।

आभारः इस पुस्तक के निर्माण में कई स्रोतों से सामग्रियों का उपयोग किया गया है, इसके लिए हम सभी के आभारी हैं।

विषय सूची

शब्द		1
वाक्यांश		6
वाक्य		7
पाठ–1	रेलगाड़ी	9
पाठ–2	जलेबी	10
पाठ–3	तितली	11
पाठ–4	भालू की चालाकी	12
पाठ–5	दो चींटियाँ	14
पाठ–6	मेंढक का गाना	16
पाठ–7	भालू और मदारी	18
पाठ–8	शेरू	20
पाठ–9	पतंग और बकरी	22
पाठ–10	रीता की गुड़िया	24
पाठ–11	बड़ा गुब्बारा	26
पाठ–12	झूला	28
अतिरिक्त पाठ – ऊँट पर साँप		30
अतिरिक्त पाठ – हाथी आया गाँव में		32
अतिरिक्त पाठ – रामसहाय की साइकिल		34
अतिरिक्त पाठ – चूहा और हाथी		36
चित्रों को देखकर कहानी बनाओ		38
बताओ, मैं कौन?		

शब्द

चल	घर	फल	मग
बस	एक	कल	अब
जग	नल	नम	कम
कप	हल	मन	कर
छम	डर	दम	सच
माँ	सब	सर	खत
वह	भर	लड़	रथ
छत	ऊँट	पर	हट
रस	रब	चक	टब

गाय	साँप	लाल	बड़ा
हाथ	बाग	पेड़	गोल
घड़ा	दाल	गाँव	हवा
लोग	मजा	फूल	बाल
पान	चार	दादी	भालू
गाना	काला	दाना	भूखा
मेला	झूला	गाड़ी	मेरा
केले	रोटी	पानी	मोटा
छोटा	नीचे	खाना	तारा

ऊपर	बहन	पलक	मगर
रमन	कदम	नकल	मटर
सड़क	रबर	नमक	उछल
कमल	खबर	कमर	पायल
बकरी	उड़ना	खराब	चादर
महीने	किसान	मदारी	बाजार
नाचना	भागना	देखना	सजाना
काटना	सवारी	सियार	दुकान
गुड़िया	घुमाना	कुतिया	साबुन

गुस्सा	बिल्ली	दिल्ली
गन्ना	रस्सी	बंदर
पतंग	सरकस	करतब
कसरत	शलजम	हलचल
झटपट	अदरक	मलमल
अजगर	कटहल	बरसात
अखबार	जानवर	वरदान
उपहार	लटकना	टमाटर
टपकना	नमकीन	कमजोर
समाचार	साइकिल	पायदान

रेलगाड़ी	तितली	कक्षा	मगरमच्छ
खरगोश	जलेबी	दुकानदार	बल्ब
टुकड़ा	अंगीठी	पहिया	छिपकली
खाट	गोरखपुर	बिजली	रफ्तार
दौड़ना	बर्फ	खूँटा	झाड़ियाँ
बल्ला	आँगन	मेहनत	सवारी
बर्फी	भिंडी	अलमारी	मजेदार
अम्मा	नारियल	टोकरी	चौकीदार
बिस्कुट	दरवाजा	अमरूद	बिछावन
अस्पताल	स्कूल	पिल्ला	चूल्हा

कोड नं०-25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020-21

वाक्यांश

मेरा घर
उसका घर

मीठा आम
मीठा केला

मोटा हाथी
मोटा भालू

रतन का मकान
पलक का मकान

नानी का हार
दादी की कार

शेर के बच्चे
बन्दर के बच्चे

घर के बाहर
घर के अंदर

पेड़ पर तोता
पेड़ पर कौवा

सड़क पर कार
सड़क पर बस

आसमान में बादल
आसमान में तारे

वाक्य

नानी आम लाई। हमने खूब खाए।

रोटी गोल है। पहिया गोल है। सूरज भी गोल है।

मेरा तोता गाता है। मीठा आम खाता है।

पापा बाजार गए। बाजार से फल लाए।

हाथी पर बंदर बैठा। बैठकर उसको मजा आया।

कोड नं०-25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020-21

तालाब में एक मछली है। मछली तैर रही है।

मुझे एक पतंग मिली। मैंने पतंग आसमान में उड़ाई।

यह मेरी साइकिल है। मैं साइकिल से स्कूल जाता हूँ।

मदारी के पास डमरू था। डमरू तेज बजता था।

हमारे पास केले थे। बंदर ने केले छीन लिए।

पाठ-1

रेलगाड़ी

रेलगाड़ी पहुँची गोरखपुर।
उसमें बैठी नेहा, नूपुर।
सीटी बजी और चली रेलगाड़ी।
दौड़कर चढ़ी कुछ और सवारी।
फिर गाड़ी ने पकड़ी रफ्तार।
सबका सफर बना मजेदार।

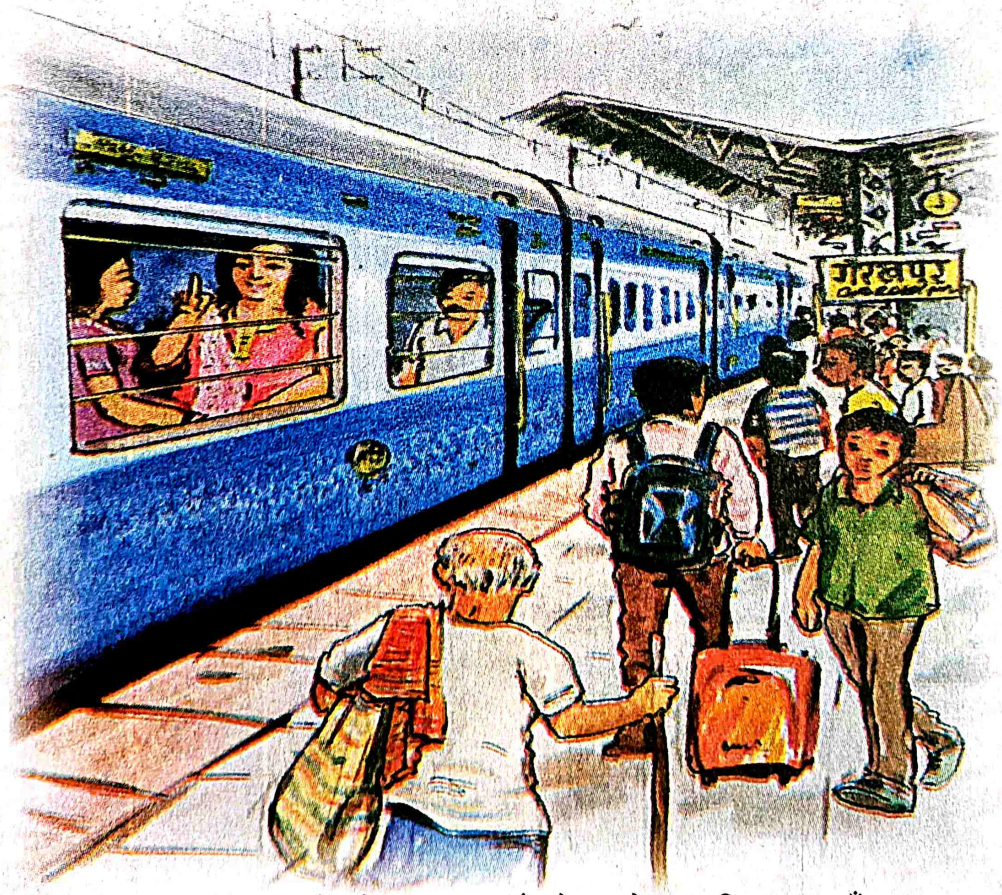

शिक्षक के लिए - शिक्षक कविता बच्चों को पढ़कर सुनाएँ और उनके साथ मिलकर गाएँ।

पाठ-2

जलेबी

दादा जी जलेबी लेकर आए। जलेबी गरम थी। दादा जी ने सबको जलेबी खाने को दी। सबने मिलकर जलेबी खाई। जलेबी खाकर सबने कहा- वाह!

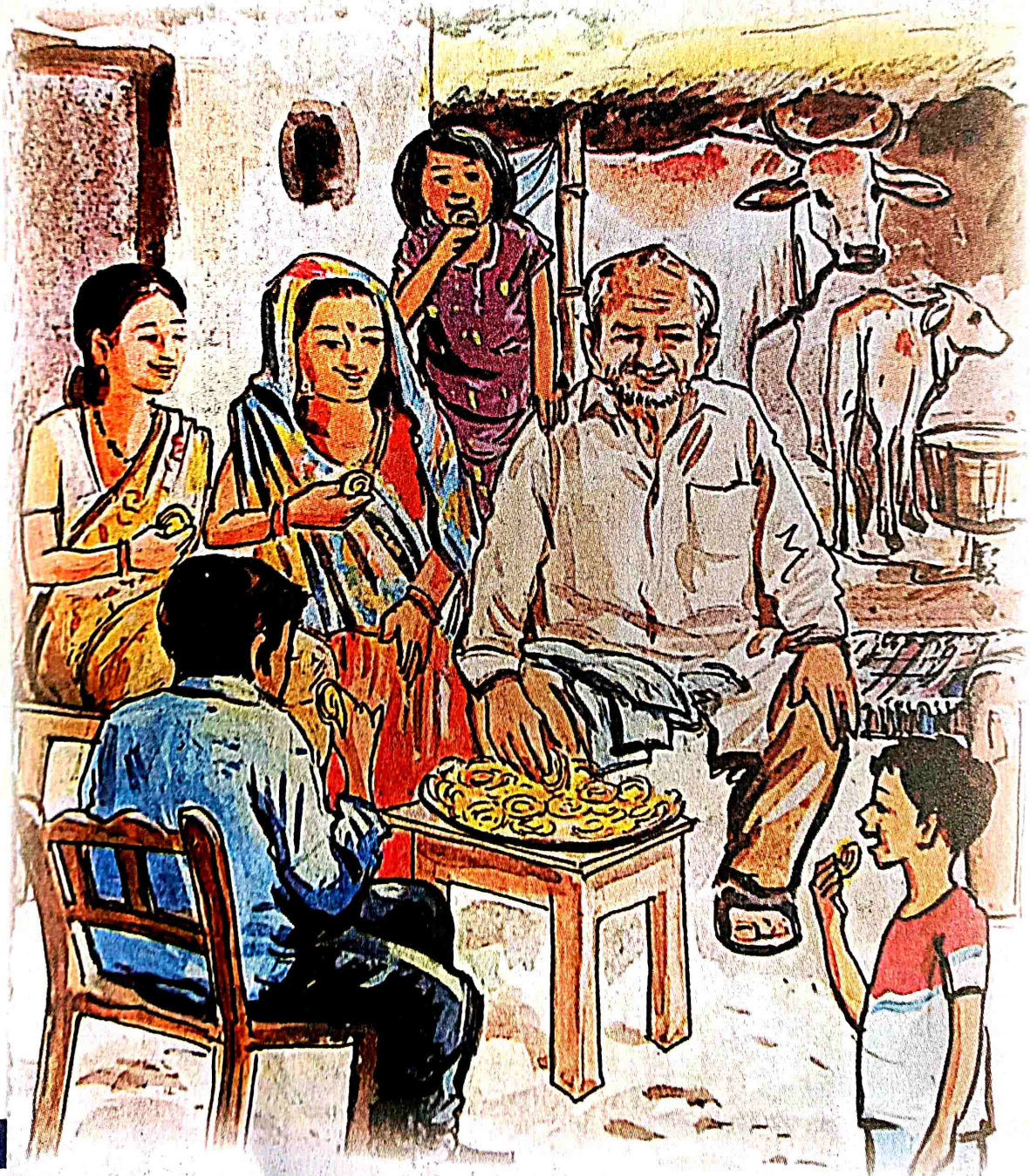

पाठ–3

तितली

तितली आई। पूजा उसे पकड़ने दौड़ी। मगर तितली को वह पकड़ नहीं पाई। वहाँ और भी तितलियाँ आ गईं। पूजा उनके पीछे–पीछे भागने लगी।

कोड नं०–25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020–21

भालू की चालाकी

भालू गन्ने खाना चाहता था।
उसने जोर से आवाज निकाली
और किसान को डराया।

किसान डरकर घर भाग गया।

भालू ने खूब गन्ने खाए।

पाठ-5

दो चींटियाँ

एक लाल चींटी थी। एक काली चींटी थी।

लाल चींटी चावल का दाना लाई।
काली चींटी दाना चट कर गई।

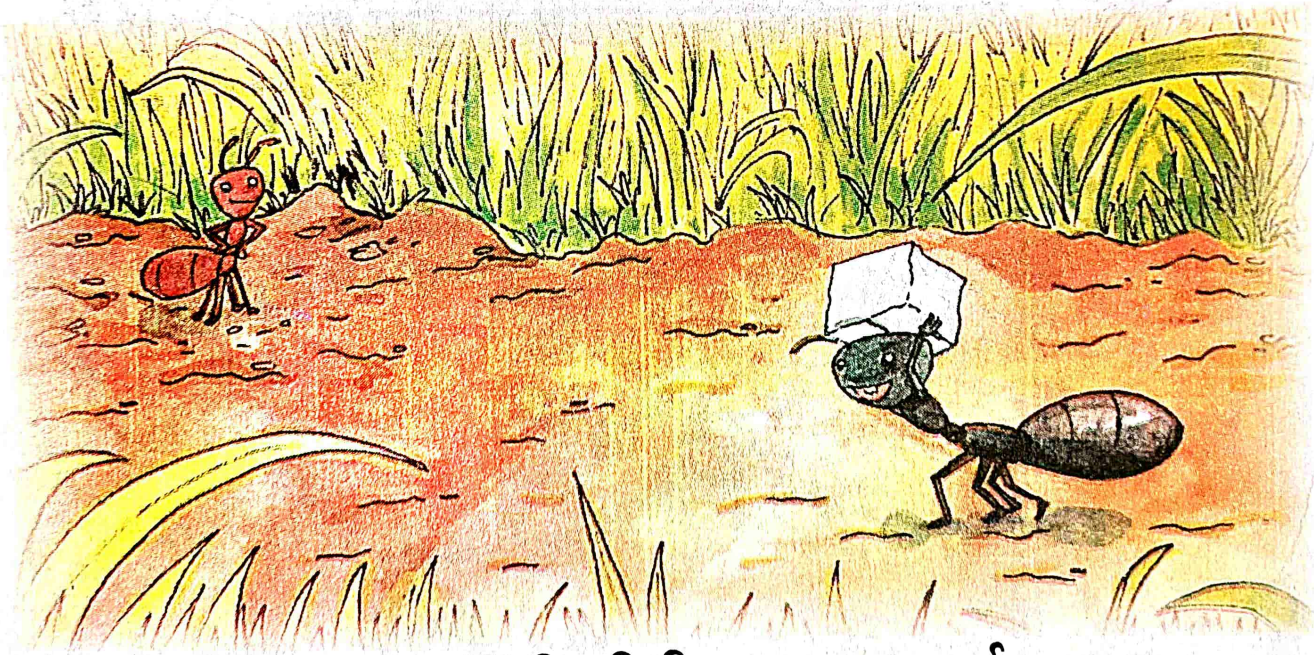

काली चींटी चीनी का दाना लाई।
लाल चींटी दाना चट कर गई।
खाना कम था। वे दोनों भूखी रह गईं।

पाठ-6

मेंढक का गाना

मक्खी के पास चॉकलेट थी।
मेंढक चॉकलेट खाना चाहता था।

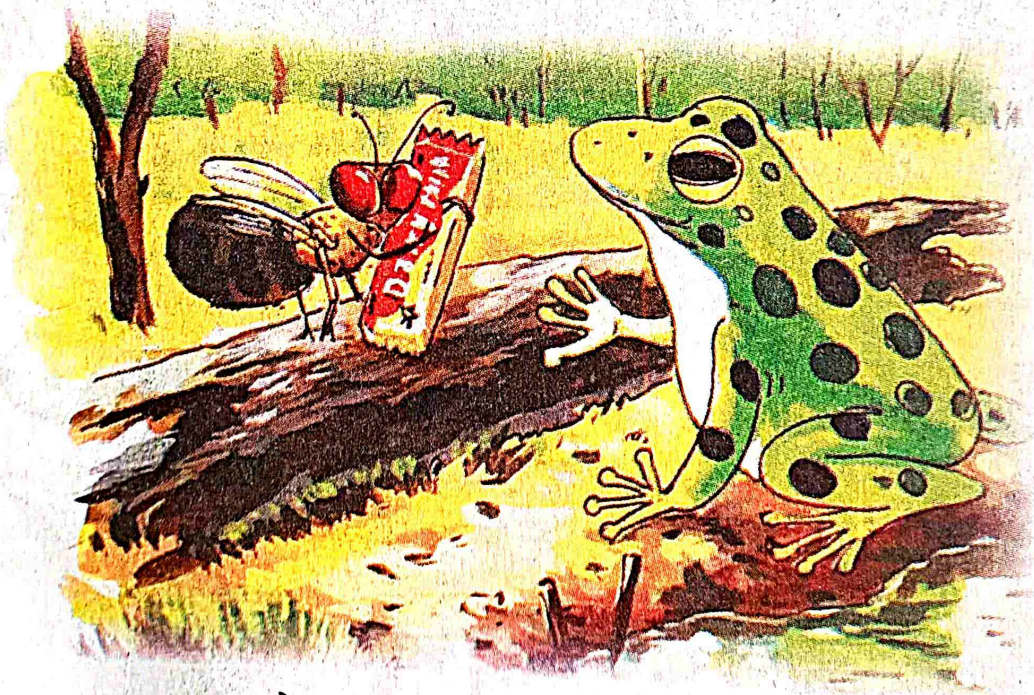

उसने मक्खी से चॉकलेट माँगी।
मक्खी ने कहा- "नहीं दूँगी।"

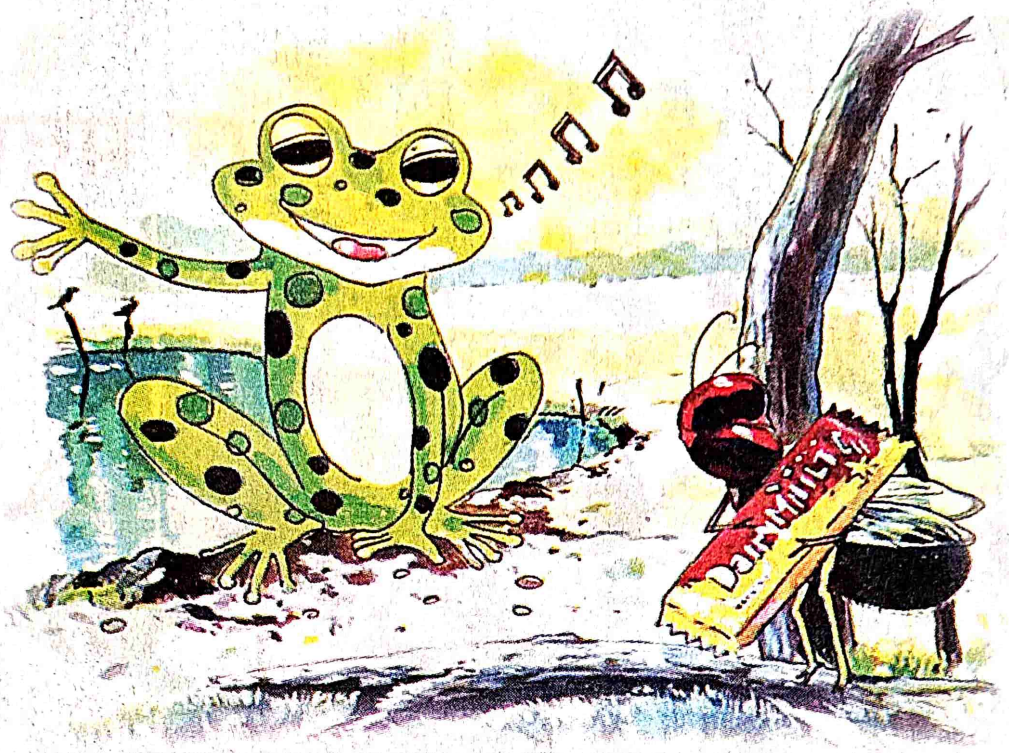

मेंढक गाना गाने लगा–

''मैं किसी को खाऊँगा, खा कर मजे उड़ाऊँगा।''

गाना सुन कर मक्खी डर गई।
उसने चॉकलेट मेंढक को दे दी।

पाठ–7

1

भालू और मदारी

मदारी के पास एक भालू था।

मदारी गाता था। भालू नाचता था।
मगर कोई देखने नहीं आता।

अब भालू ने भी गाना सीख लिया।
भालू गाना गाता था। मदारी नाचता था।

मदारी का नाच देखने बहुत से लोग आने लगे।

कोड नं०-25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020-21

पाठ-8

शेरु

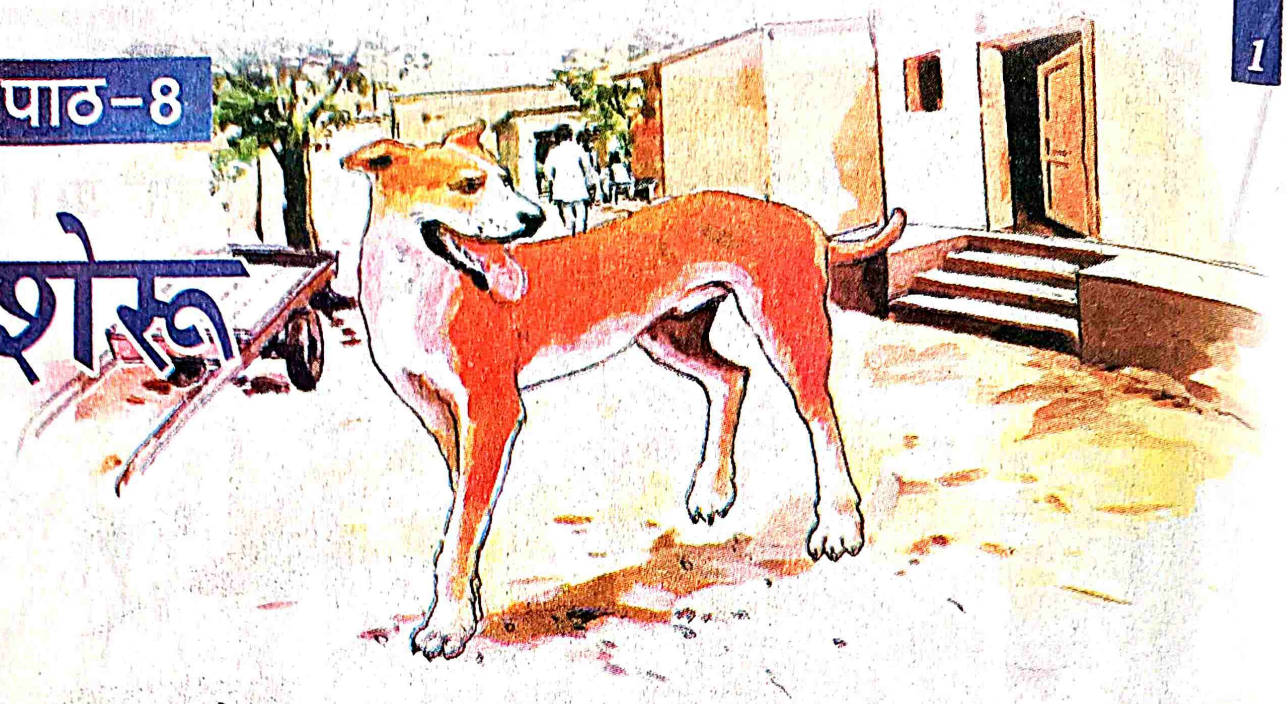

शेरु भूखा था। वह कुछ खाना चाहता था।

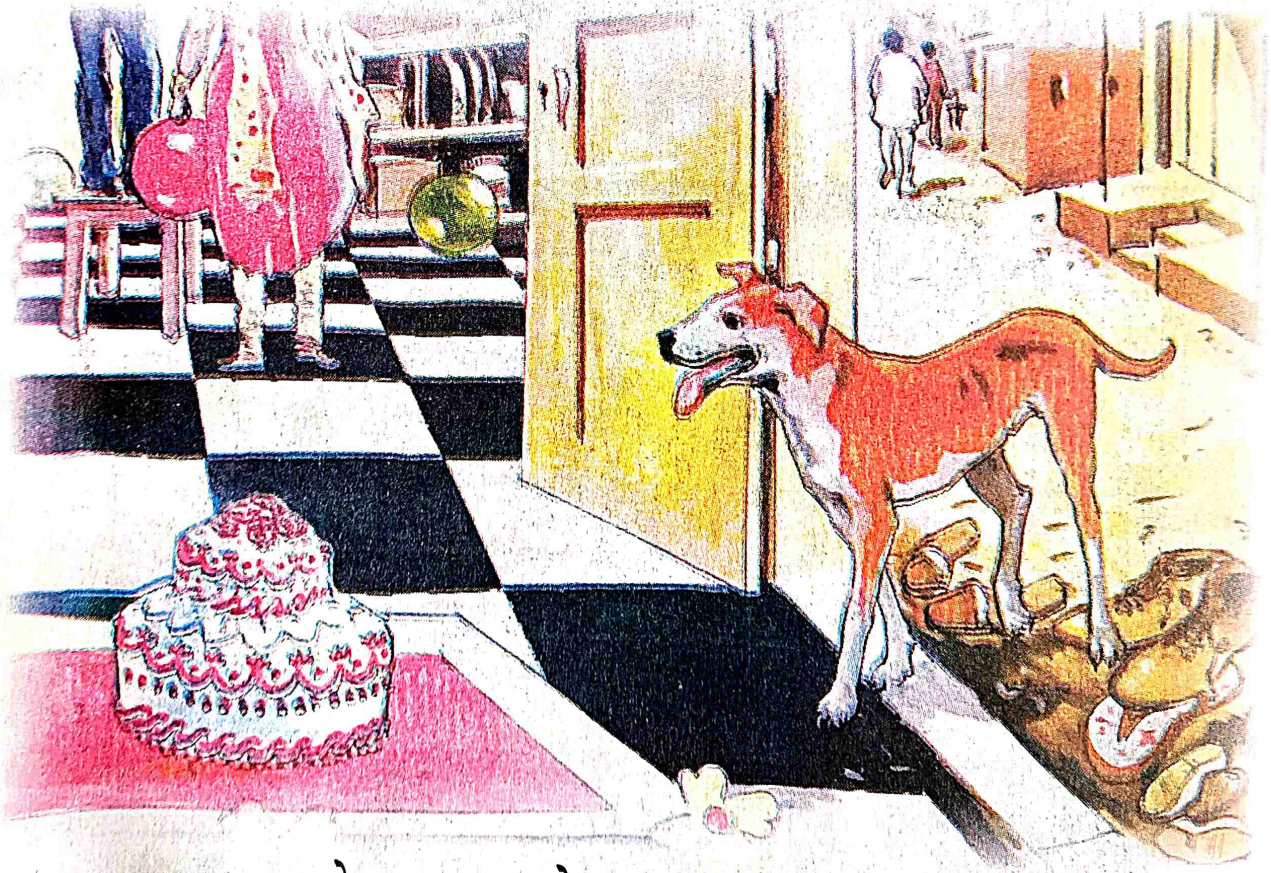

उसने एक घर देखा। वह अंदर गया।
वहाँ उसे एक बड़ा सा केक दिखा।

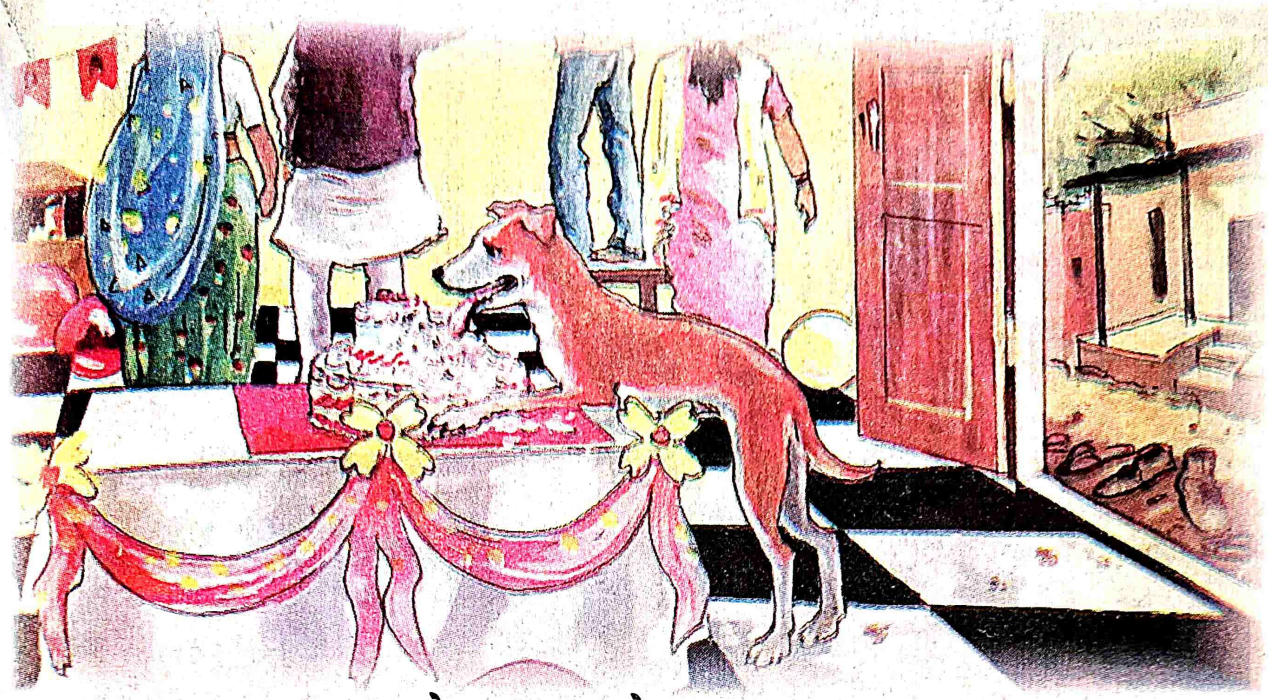

केक पर शेरु लपका।

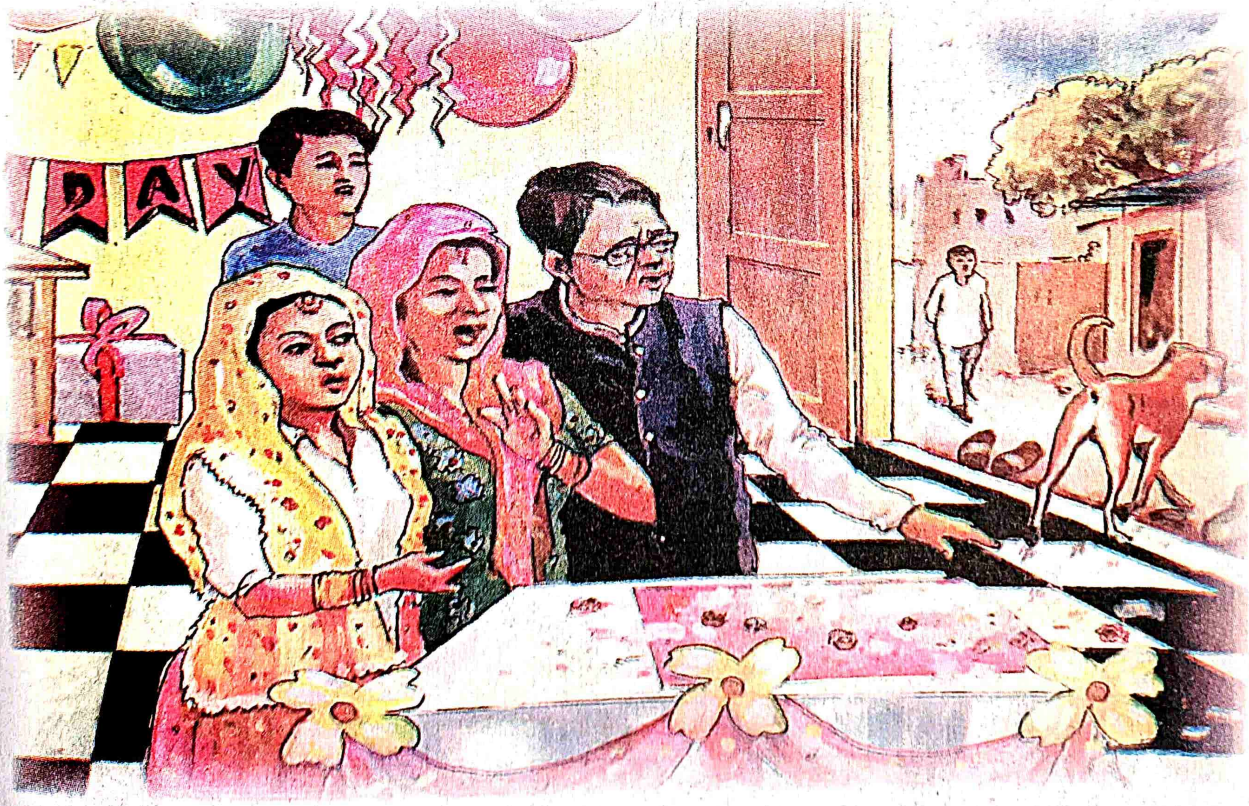

वह चुपचाप केक खाकर निकल गया।

पाठ-9

पतंग और बकरी

2

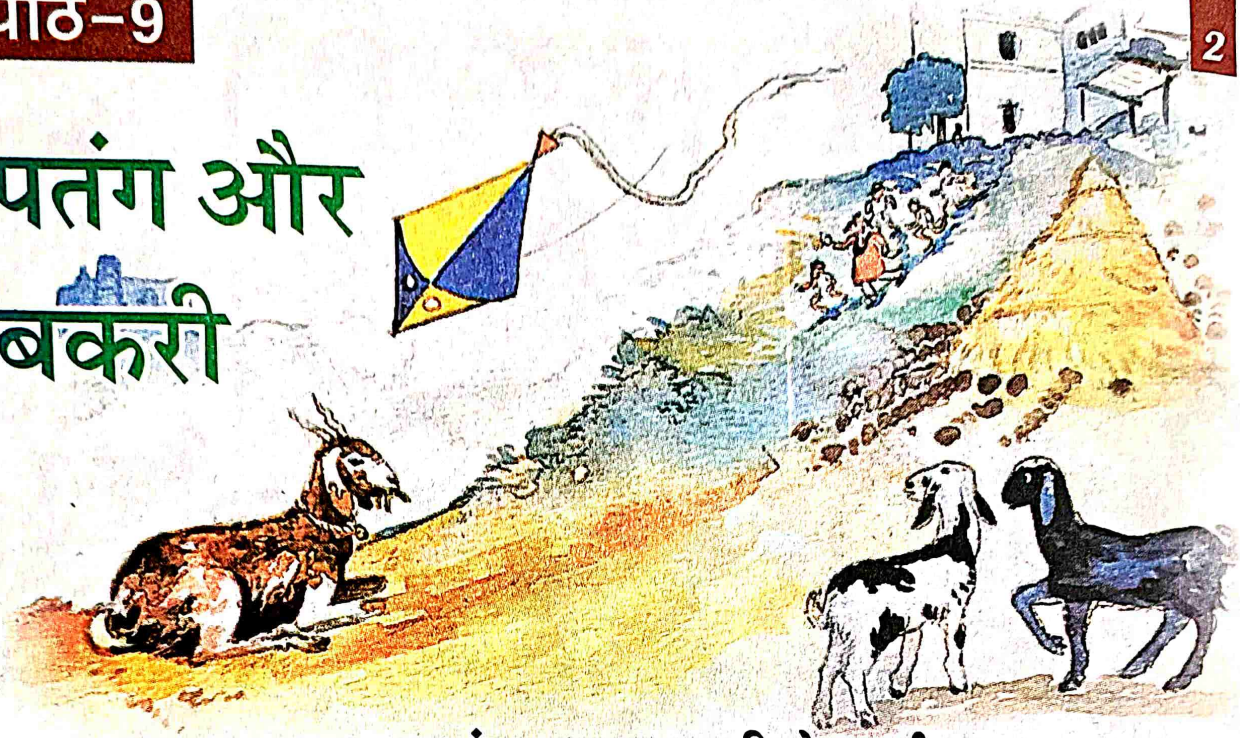

एक पतंग कट कर नीचे आई।

वह बकरी के सींग में अटक गई।
बकरी भागी। बच्चे भी उसके पीछे भागे।

बच्चों के पीछे दादा भागे। दादा के पीछे कुत्ता भागा।

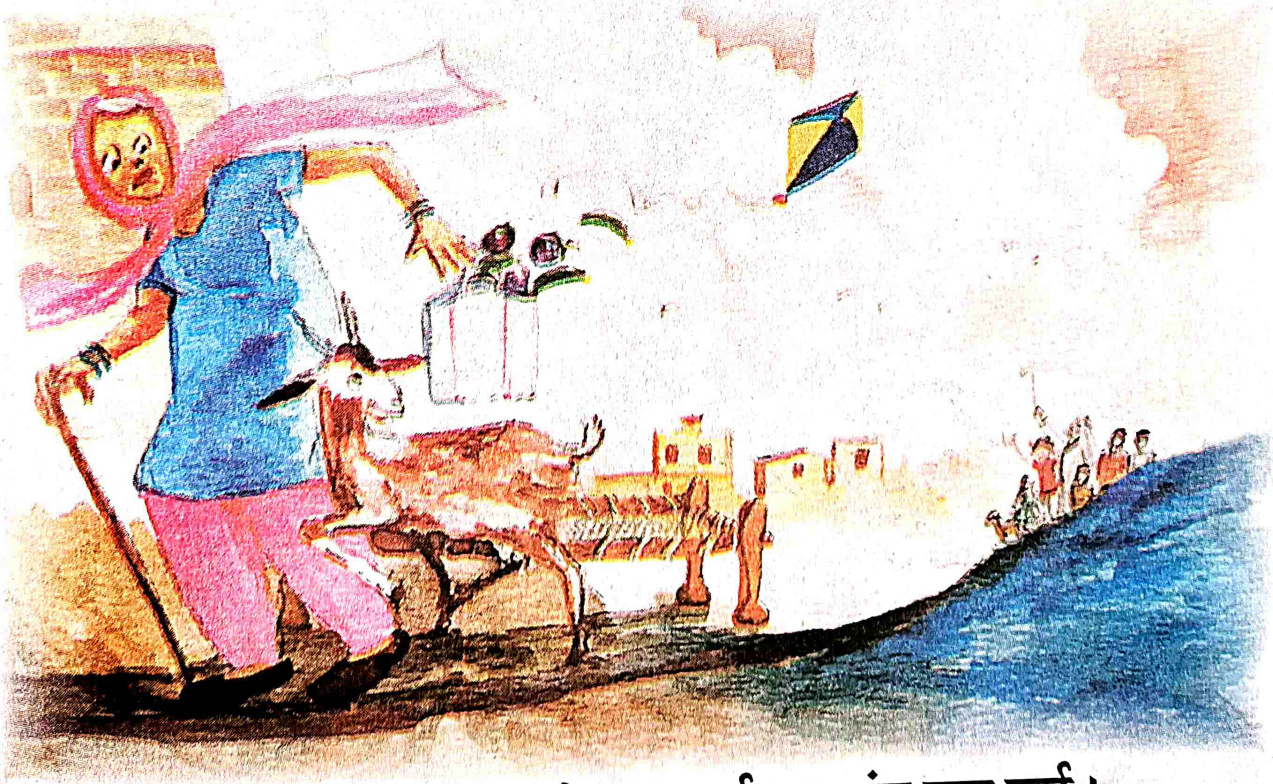

बकरी दादी से टकराई। पतंग उड़ गई।

पाठ-10

रीता की गुड़िया

रीता सो रही थी।
उसकी गुड़िया नीचे गिर गई।

गुड़िया ऊपर जाना चाहती थी।
नीचे एक चूहा था। चूहा बोला, मैं कुछ करता हूँ।

वह ऊपर गया।
उसने रीता के हाथ में गुदगुदी की।

रीता जाग गई। उसने गुड़िया को नीचे देखा।
उसने गुड़िया झट से उठा ली। फिर साथ लेकर सो गई।

पाठ-11

बड़ा गुब्बारा

गाँव में मेला लगा था। गोलू मेला देखने गया।

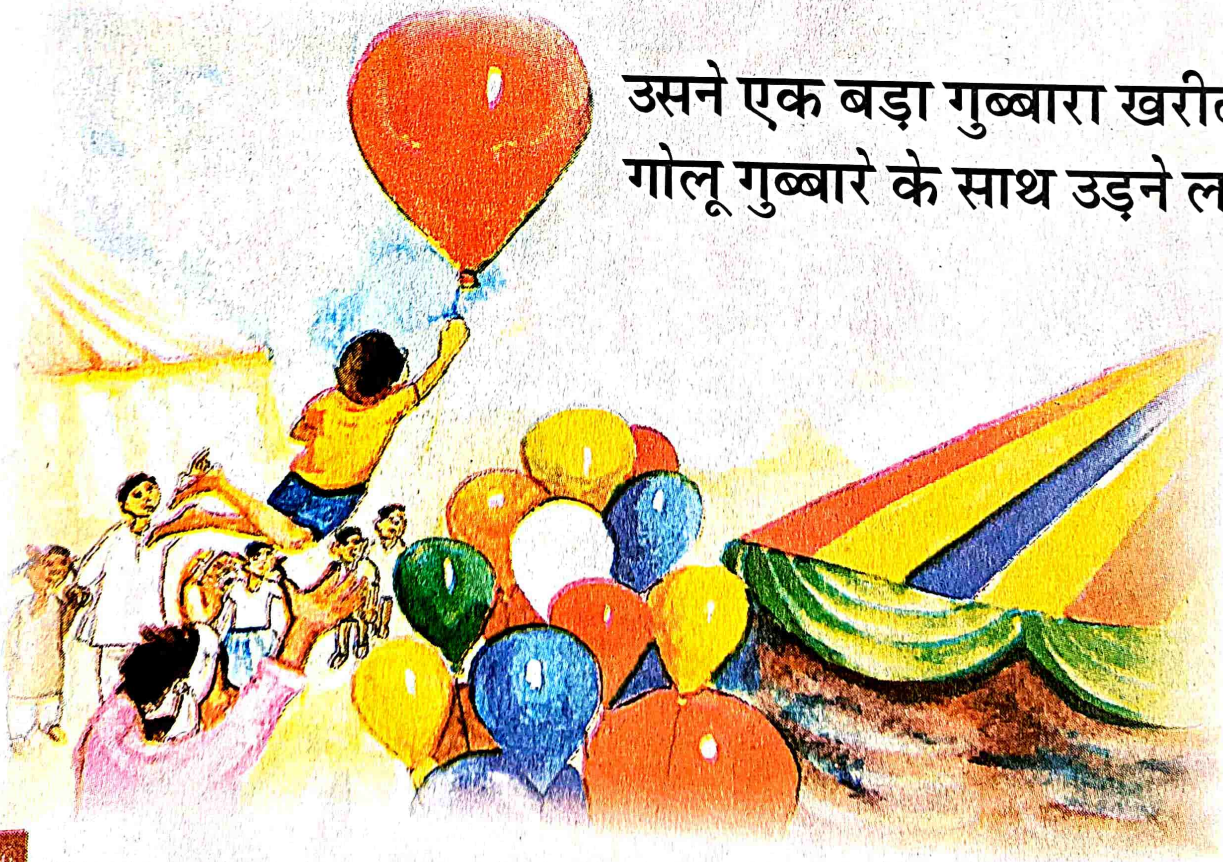

उसने एक बड़ा गुब्बारा खरीदा।
गोलू गुब्बारे के साथ उड़ने लगा।

एक कौआ गुब्बारे से टकरा गया।
गुब्बारा फूट गया।
गोलू नीचे गिरने लगा।

वह सरकस के तम्बू पर गिरा... धड़ाम!
तम्बू में बैठे जानवर डर कर भागे।

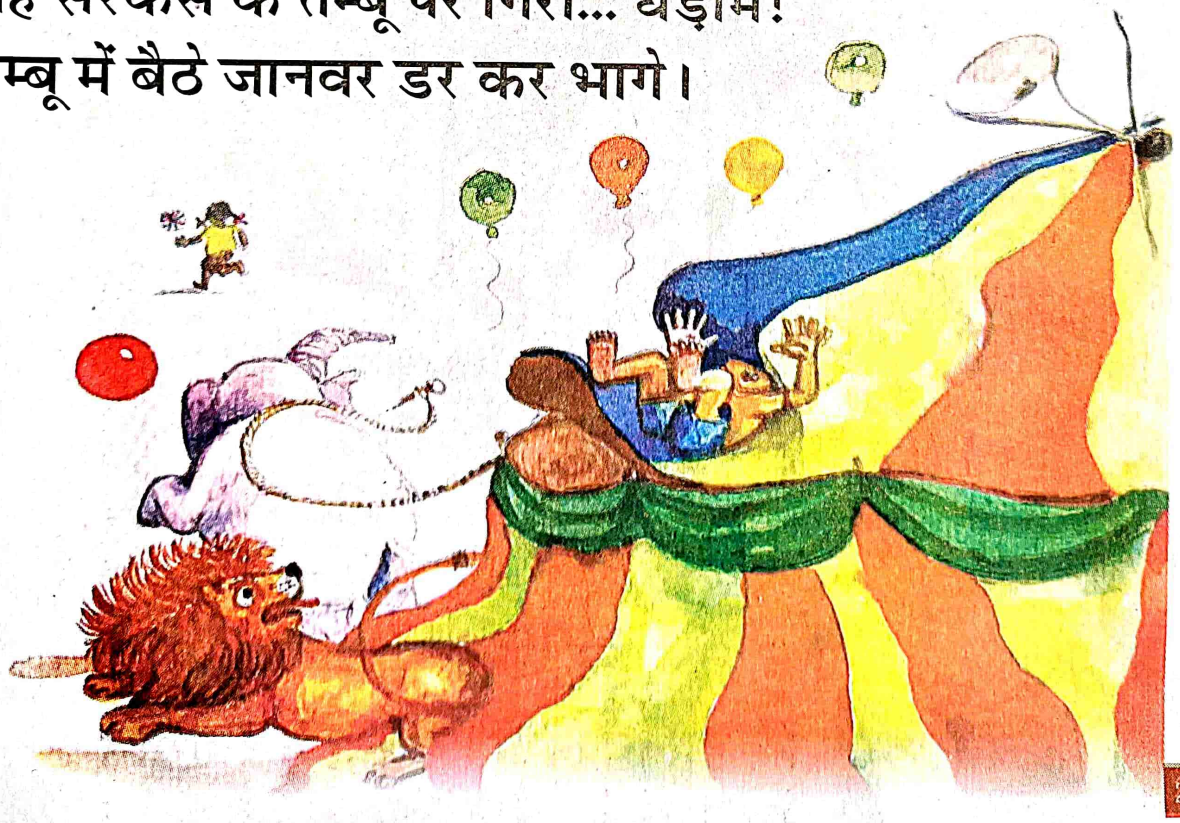

पाठ-12

झूला

गिलहरी और खरगोश ने एक झूला डाला।
दोनों बारी-बारी से झूलते थे।

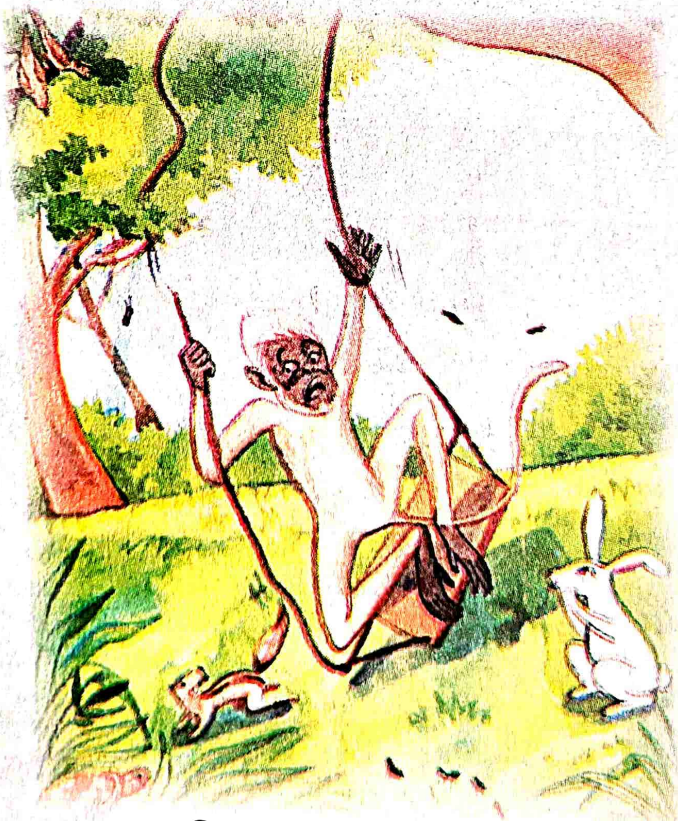

एक दिन एक बंदर आया।
बंदर झूले पर झूलने लगा। झूला टूट गया।

गिलहरी और खरगोश उदास हो गए। तभी एक हाथी आया।
हाथी, गिलहरी और खरगोश के पास गया।

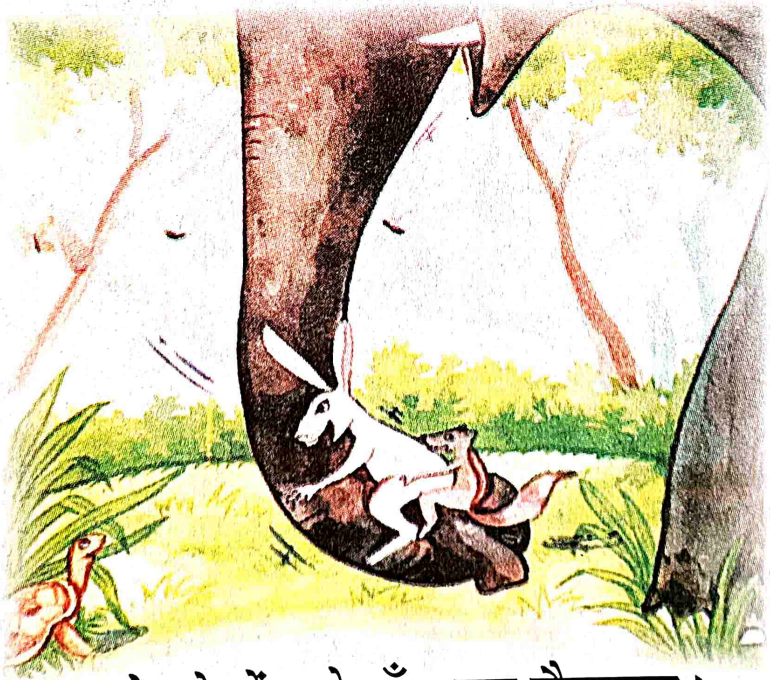

उसने दोनों को सूँड़ पर बैठाया।
सूँड़ पर बिठाकर झूला झुलाया।

ऊँट पर साँप

सपेरा ऊँट-गाड़ी से घर लौट रहा था।
चलते-चलते उसकी पिटारी खुल गई।

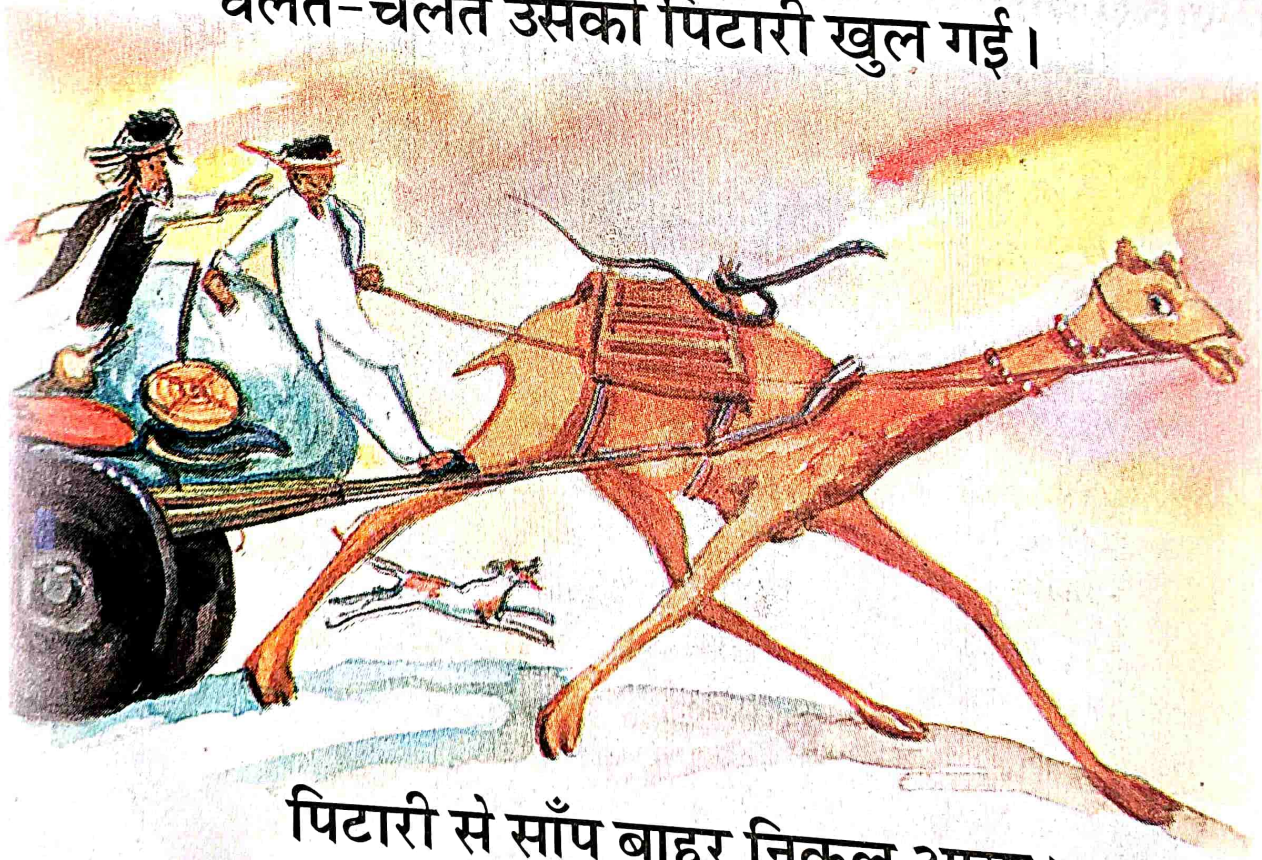

पिटारी से साँप बाहर निकल आया।
वह ऊँट की पीठ पर जाकर बैठ गया।
ऊँट घबराकर भागने लगा।

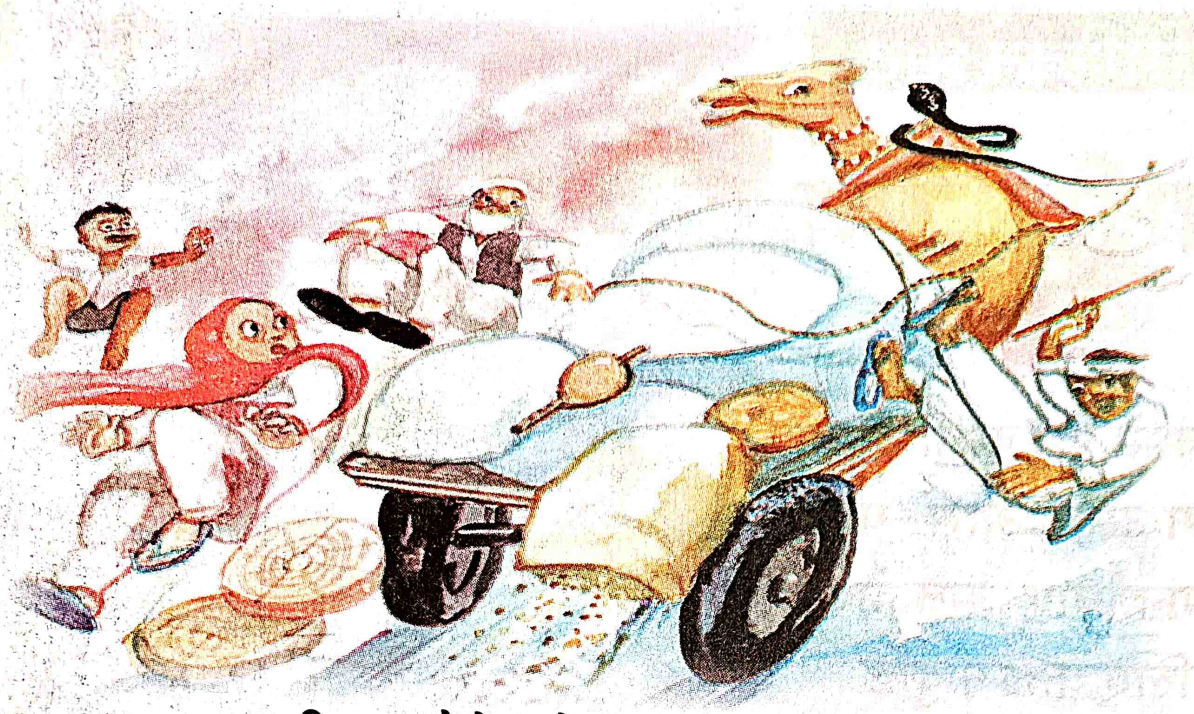

गाड़ी पर बैठे लोग नीचे गिरने लगे।
साँप को ऊँट की सवारी पर मजा आने लगा।

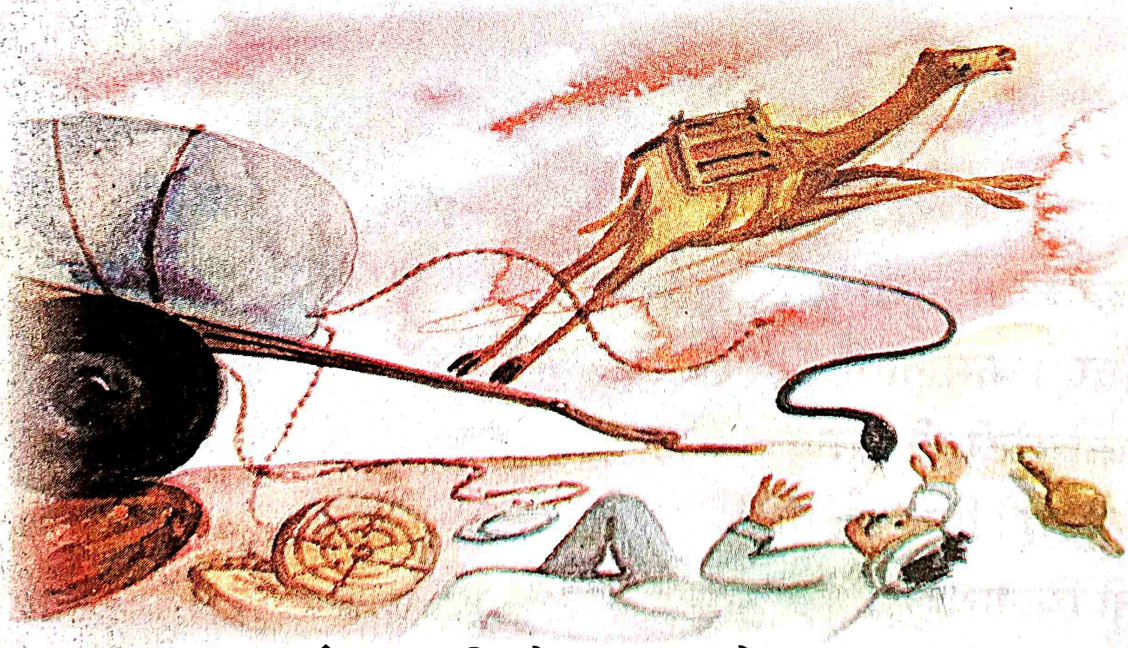

ऊँट गाड़ी से अलग हो गया।
उसने उछल-उछल कर साँप को नीचे गिराया।

अतिरिक्त पाठ

हाथी आया गाँव में

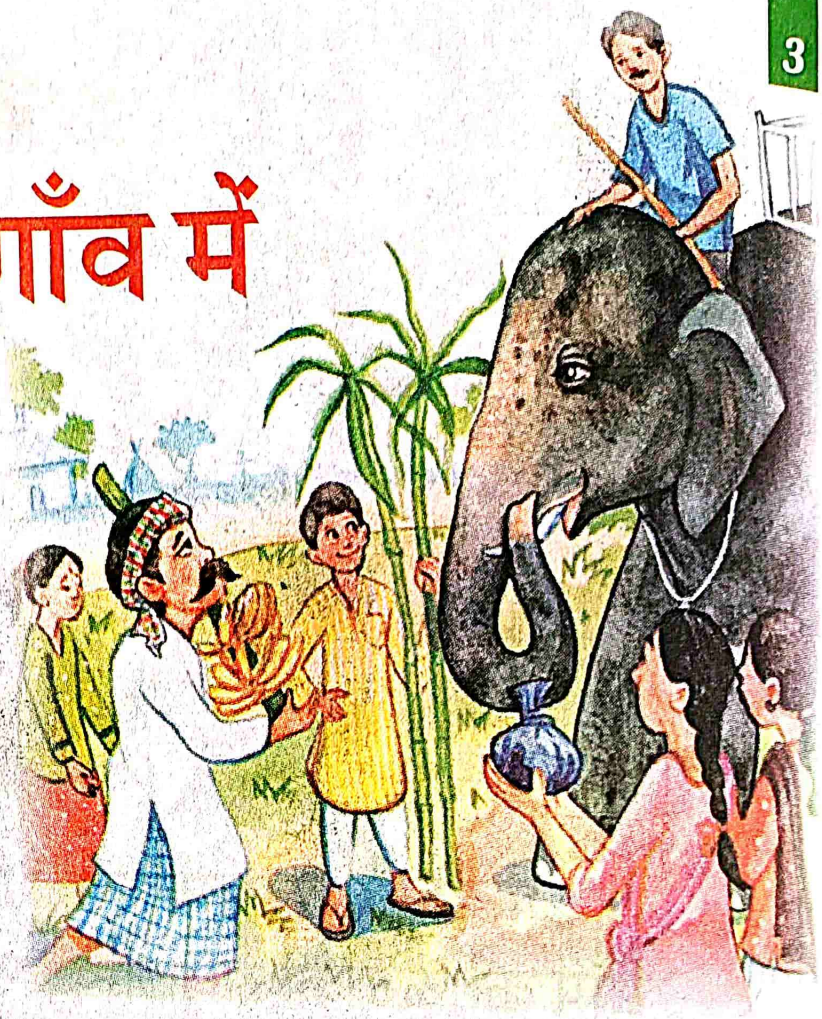

गाँव में एक हाथी आया। लोग उसके आस-पास जमा हो गए। सब हाथी के लिए कुछ न कुछ लाए थे।

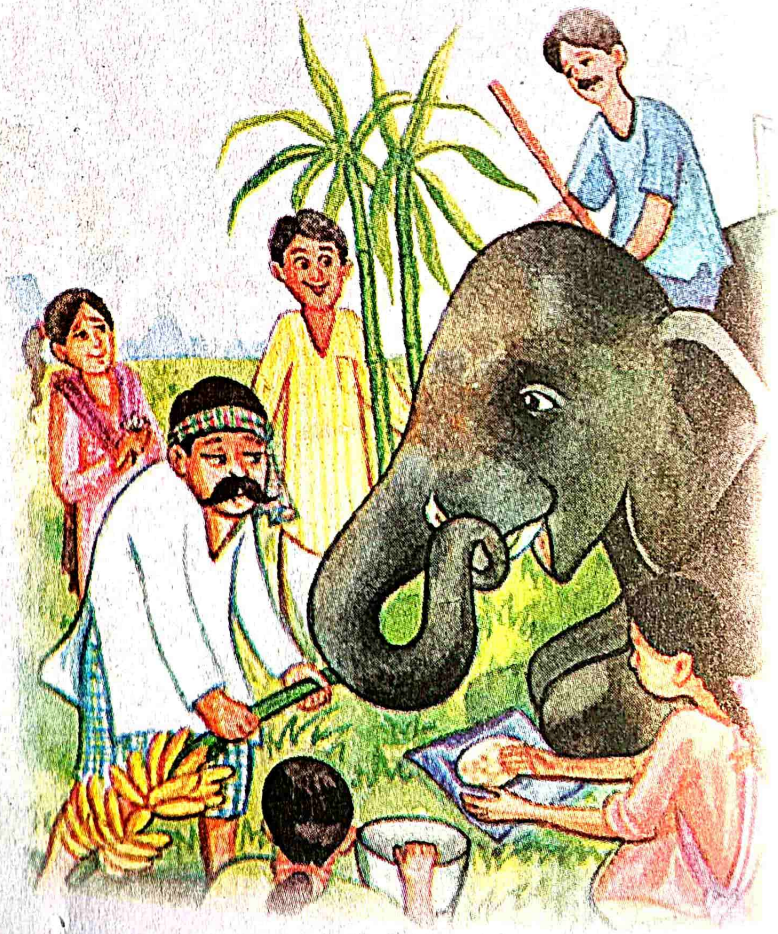

रमन काका ने हाथी को केले दिए। कमला ने खाने को रोटी दी। राजू ने गन्ने दिए। फिर सलमा ने पानी पिलाया।

राधा ने हाथी को एक फूल दिया। फूल पाकर हाथी खुश हो गया।

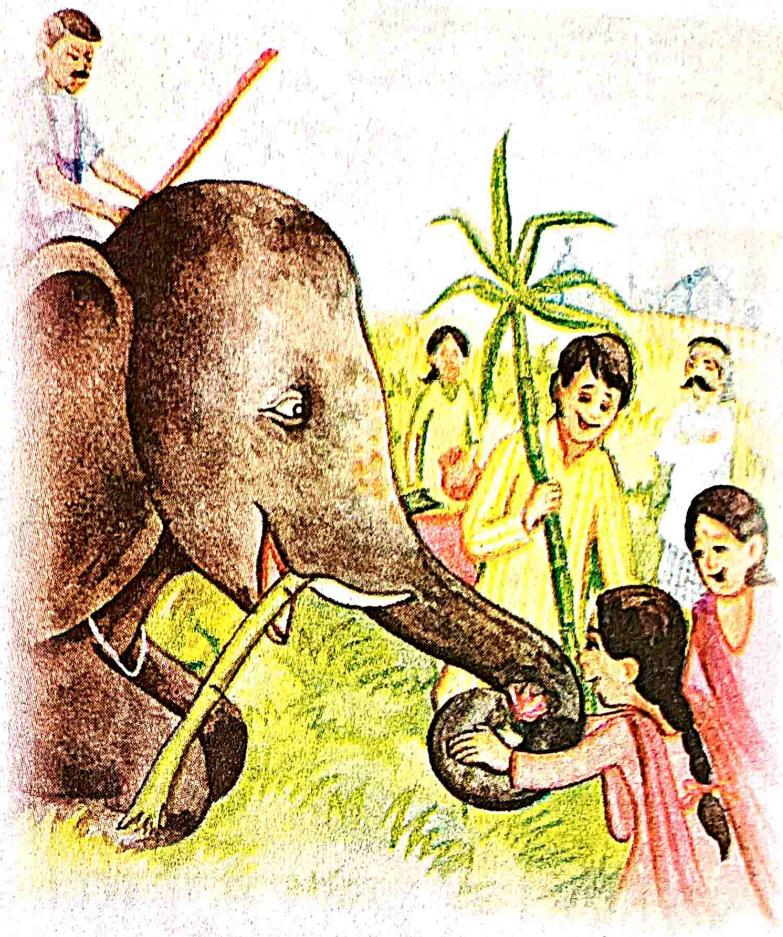

उसने कमला, सलमा, राजू और राधा को पीठ पर बिठाकर घुमाया।

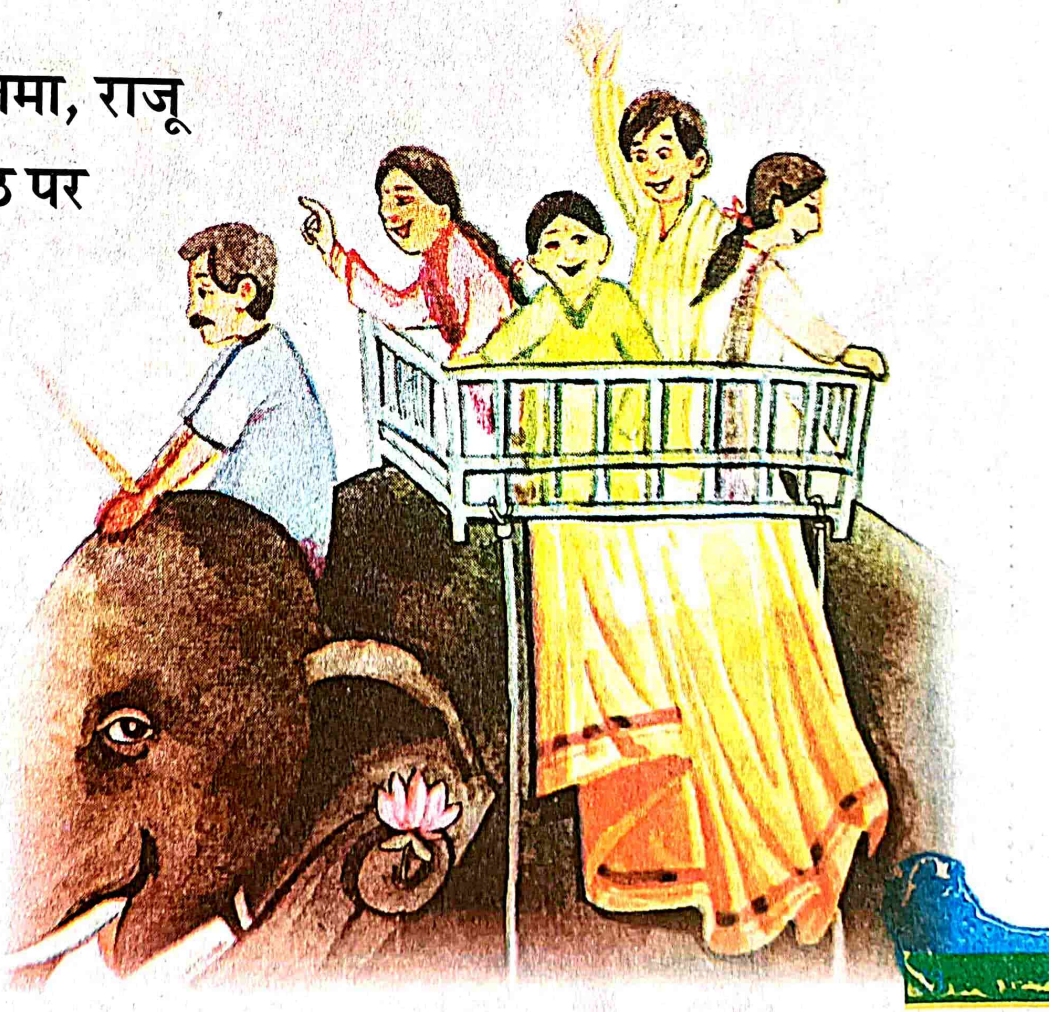

कोड नं०-25, अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा, सत्र 2020-21

रामसहाय की साइकिल

रामसहाय साइकिल चला रहा था।
बहुत तेज। वह बाजार से गुजरा।

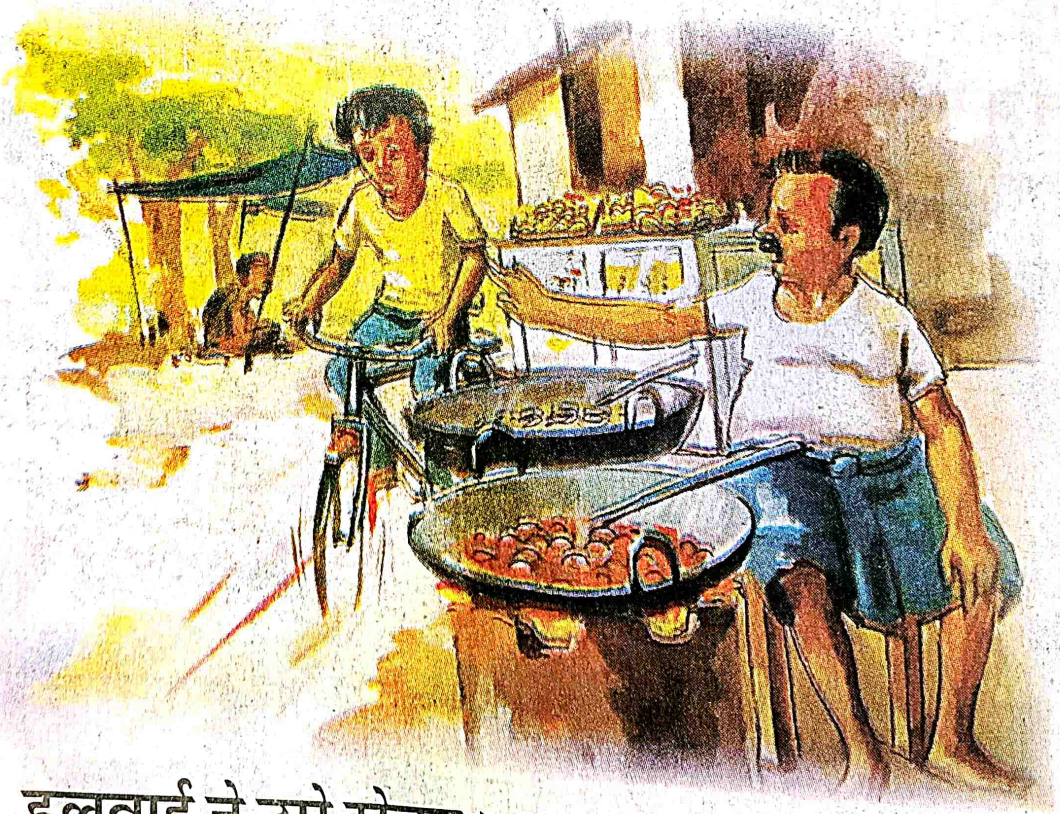

हलवाई ने उसे रोका। रामसहाय नहीं रुका।

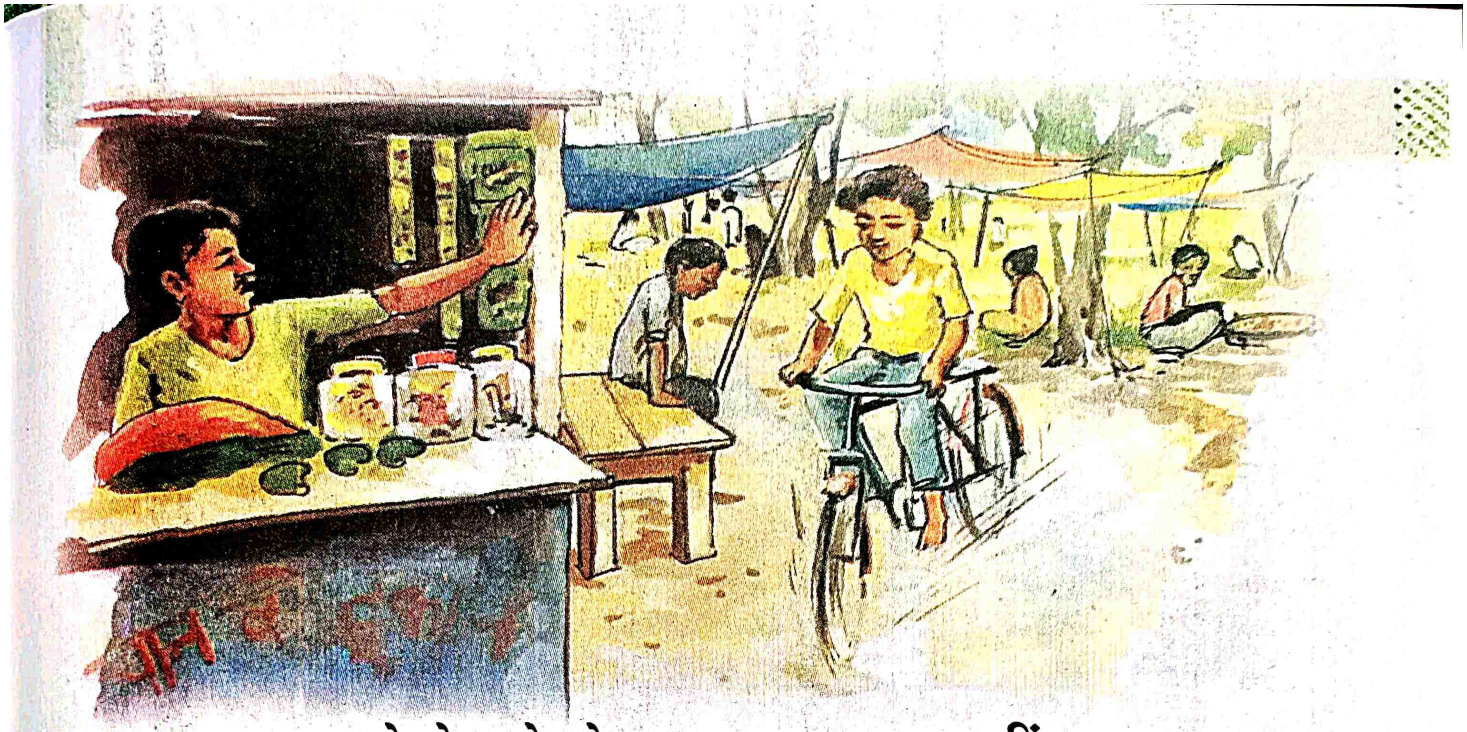

पान वाले ने उसे रोका। रामसहाय नहीं रुका।
लोग सोच रहे थे, रामसहाय रुकता क्यों नहीं?

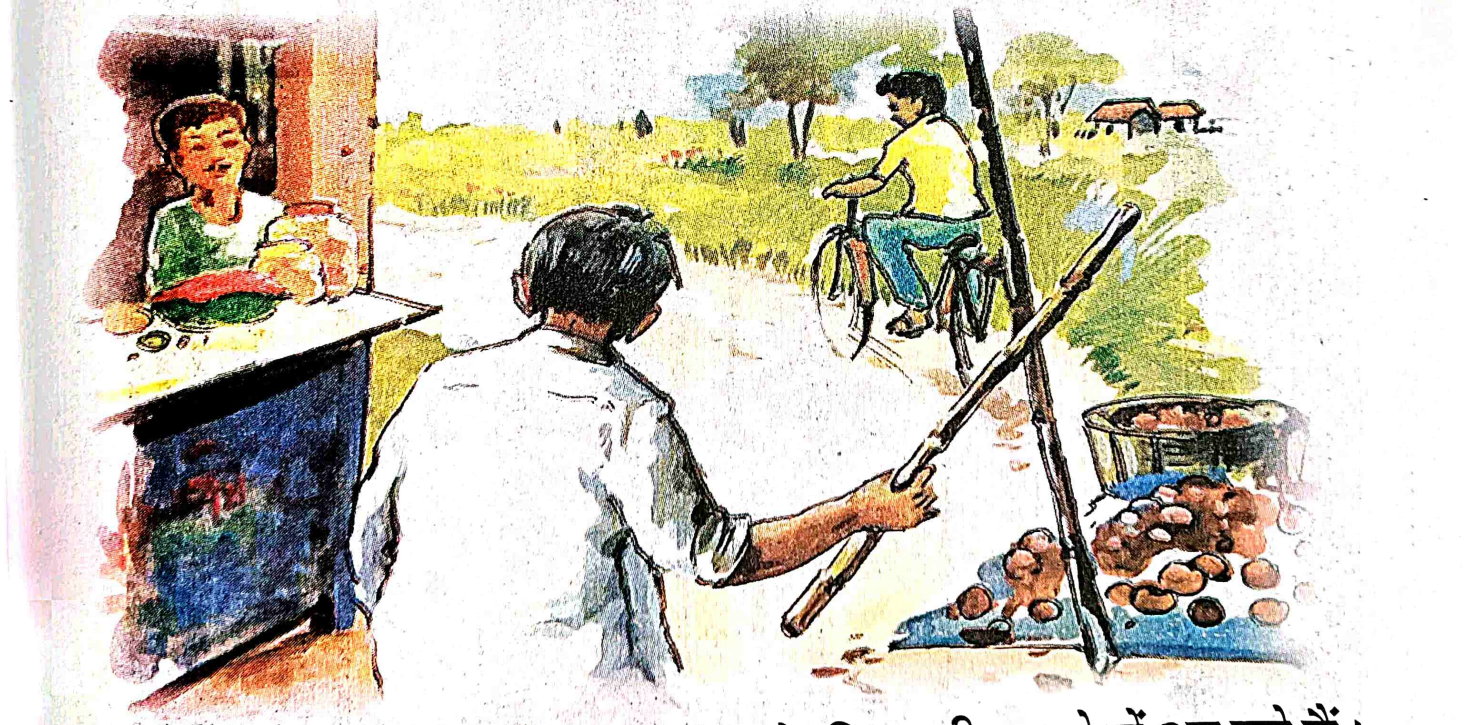

तभी पान वाले ने देखा, रामसहाय के पिताजी गुस्से में आ रहे हैं।
पानवाला समझ गया, रामसहाय के पिताजी फिर नाराज हैं।

अतिरिक्त पाठ

चूहा और हाथी

एक मोटा चूहा अकड़कर घूम रहा था।
तभी उसे एक हाथी मिला।

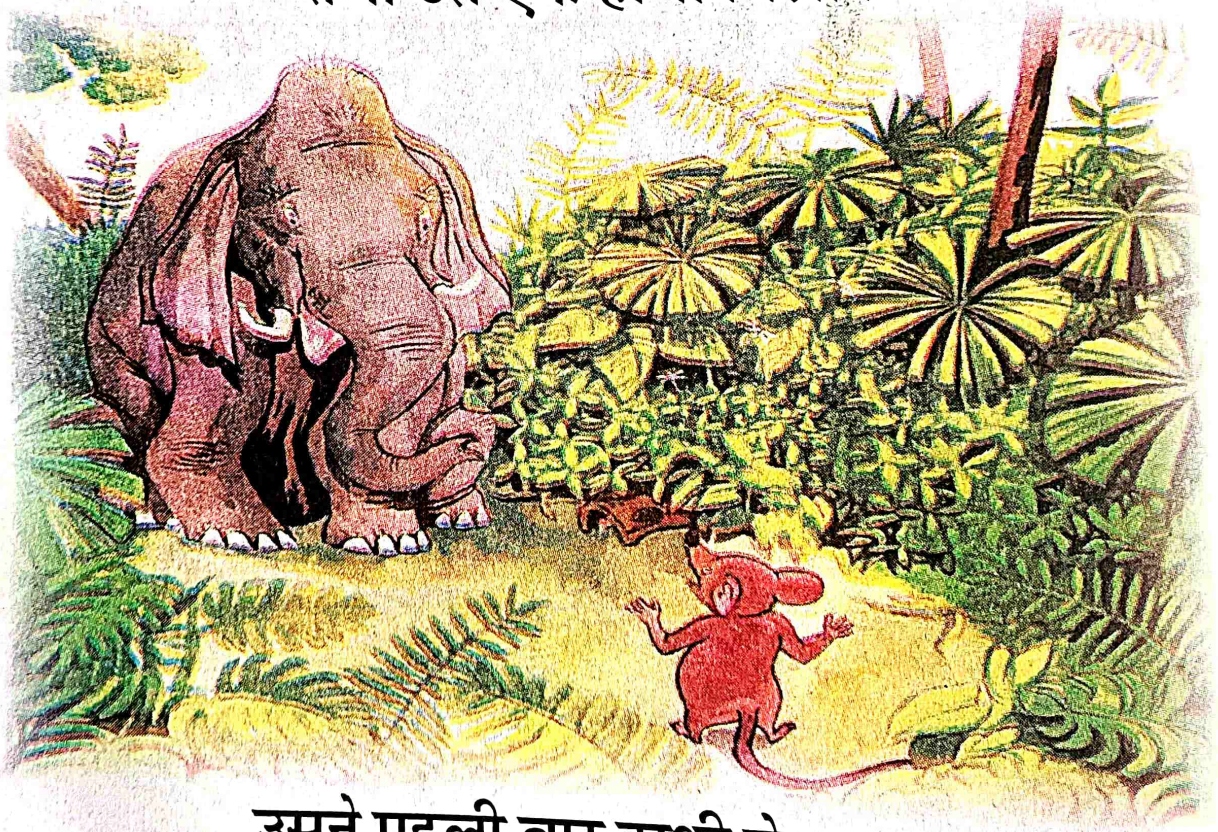

उसने पहली बार हाथी देखा था।
चूहे ने सोचा- इसकी उम्र तीन-चार सौ साल होगी।
तभी इतना बड़ा हो गया।

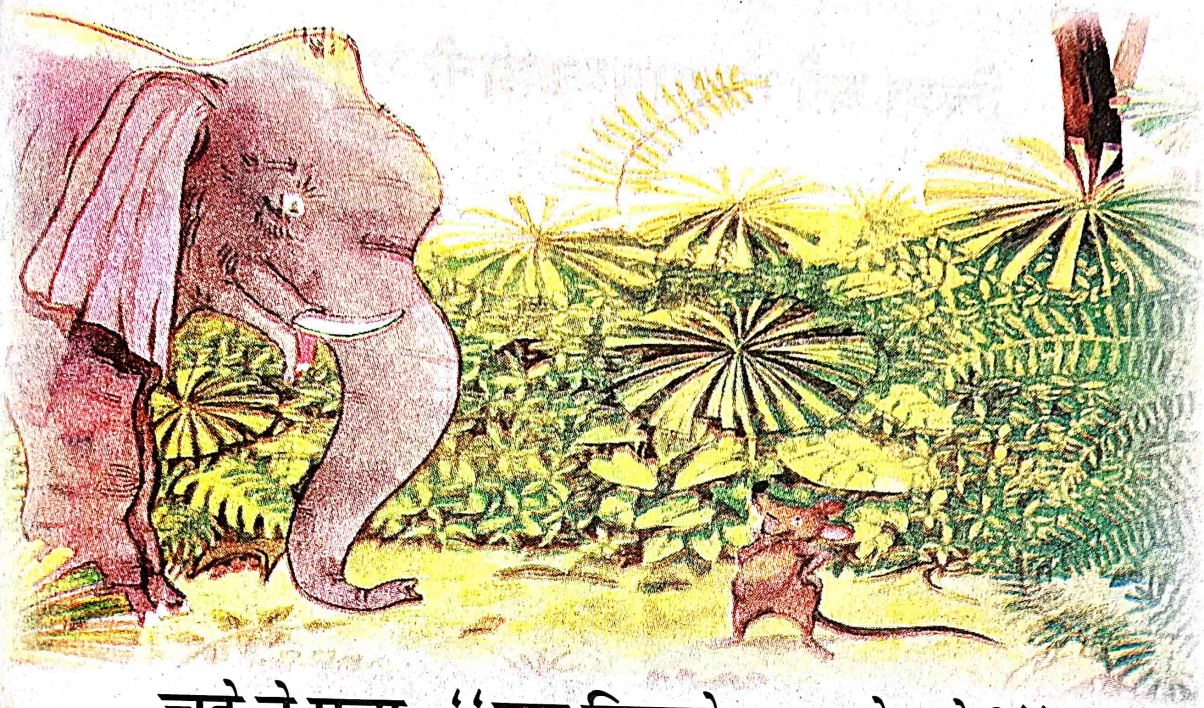

चूहे ने पूछा– ''तुम कितने साल के हो?''
हाथी ने बताया– ''चार महीने।''

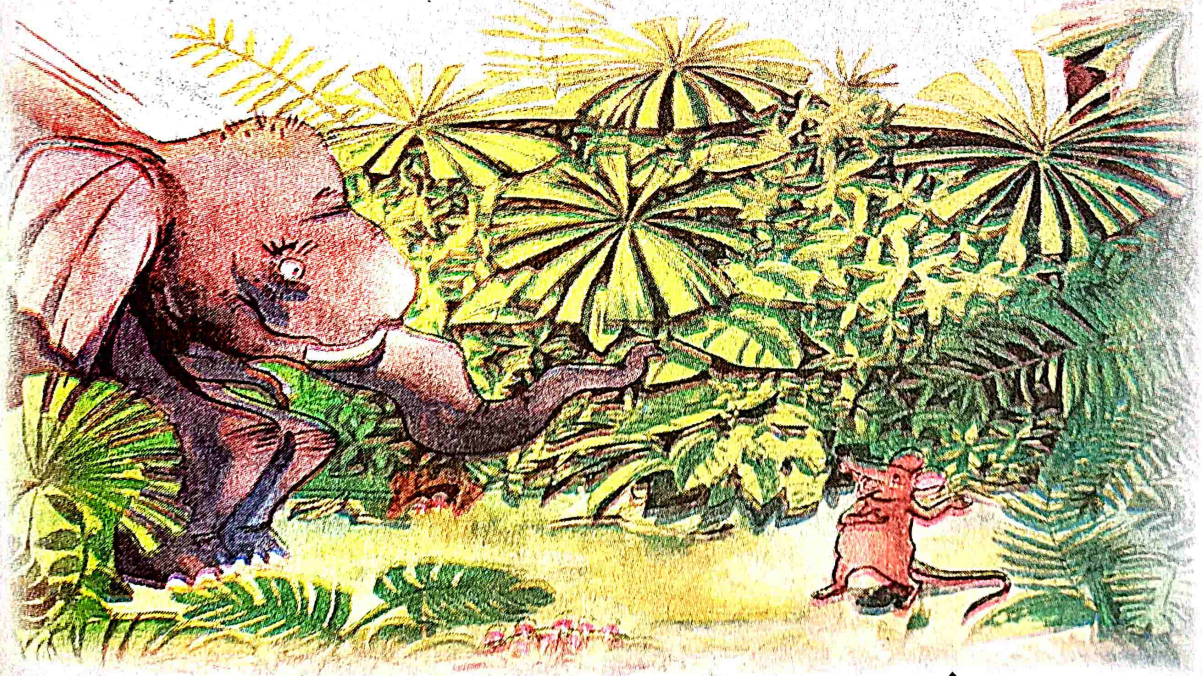

चूहा बोला– ''चार का तो मैं भी हूँ।
पर तबीयत खराब रहती है इसलिए छोटा रह गया।''

चित्रों को देखकर कहानी बनाओ

कहानी-1

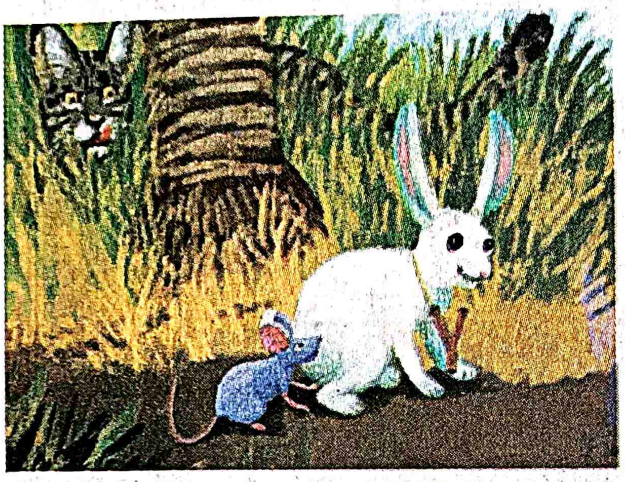

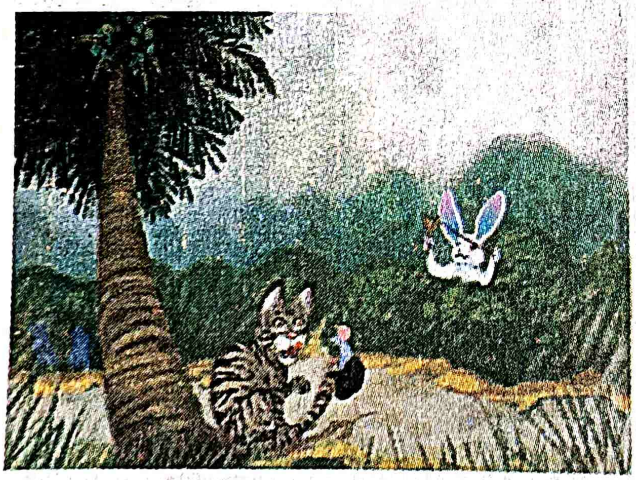

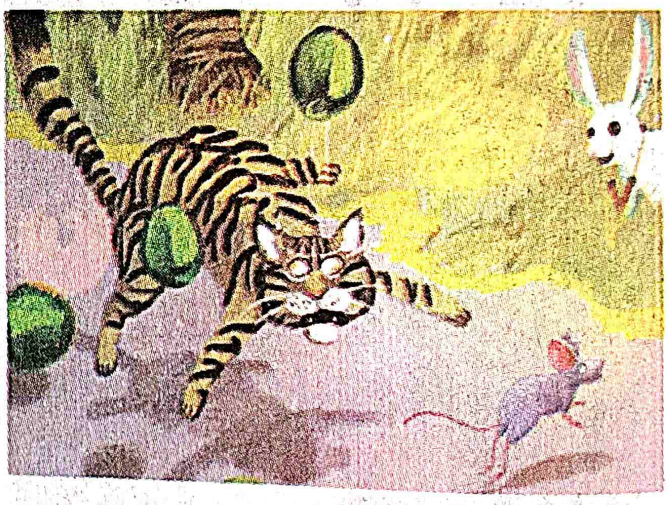

चित्रों को देखकर कहानी बनाओ

कहानी-2

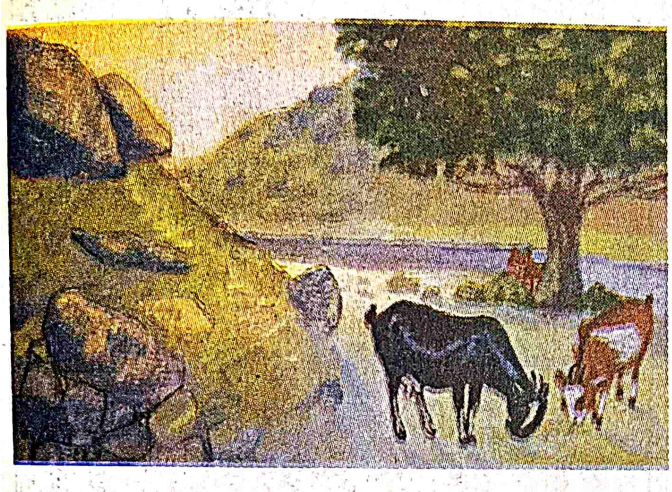

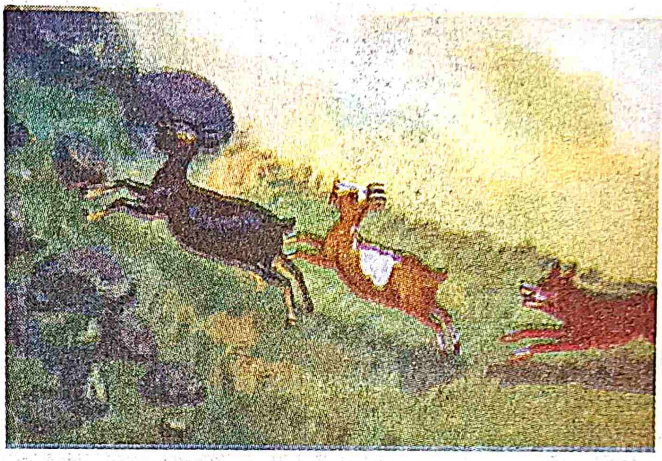

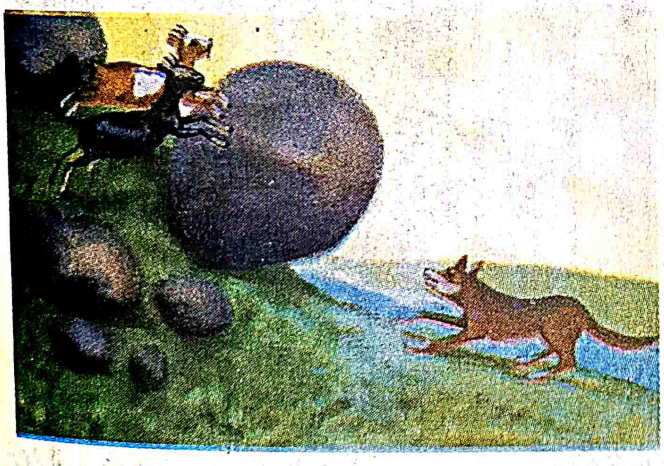

चित्रों को देखकर कहानी बनाओ

कहानी-3

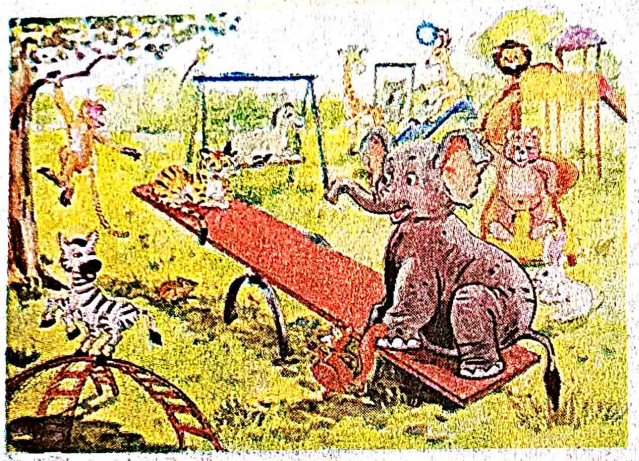

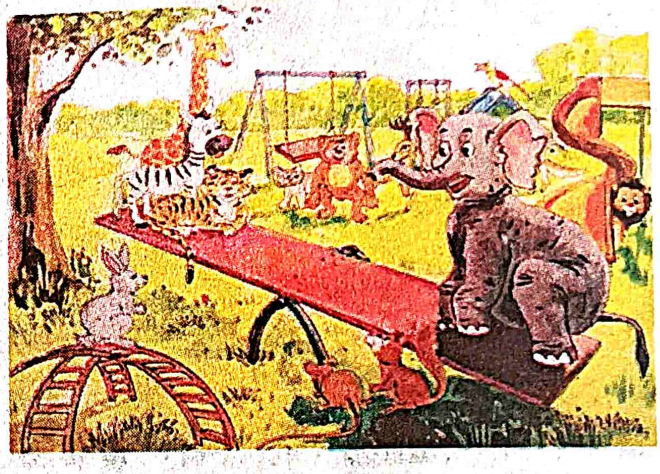

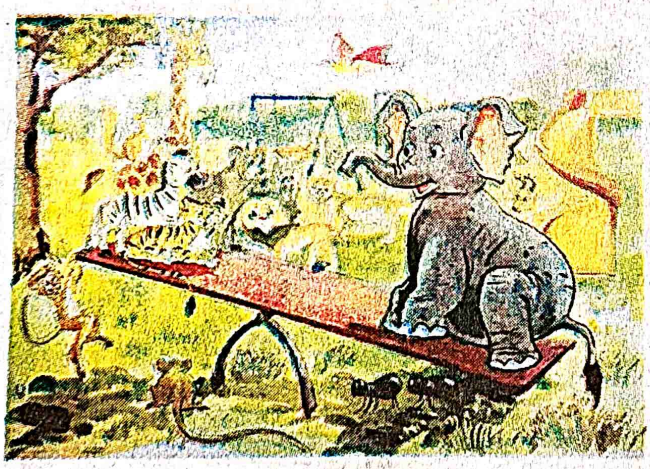

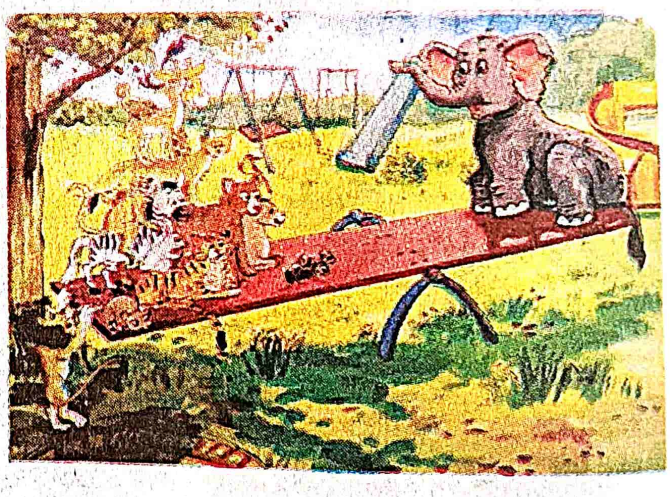

बताओ, मैं कौन ?

गोल गोल आँखों वाला।
लंबे लंबे कानों वाला।
गाजर खूब खाने वाला।
इसका नाम बताओ लाला?

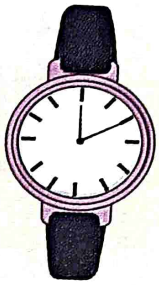

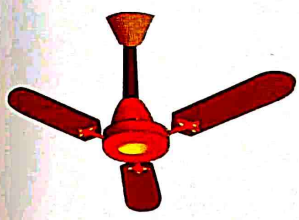

सबकी है ये नकल लगाते।
केला देख मचल ये जाते।
मौका देख झपट ले जाते।

एक से बारह गिनती रहती है,
पैर नहीं फिर भी चलती है।

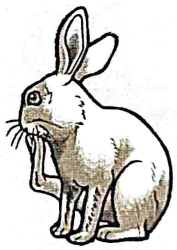

अगर नाक पर मैं चढ़ जाऊँ,
तो कान पकड़ कर खूब पढ़ाऊँ।

गोल गोल घूमता जाऊँ।
ठंडक देना मेरा काम।
गर्मी में आता हूँ काम।

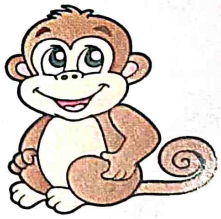

हमने देखा ऐसा बंदर,
जो उछले पानी के अंदर।

कटोरे में कटोरा,
बेटा बाप से भी गोरा।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक, जय हे
भारत-भाग्य विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन-गण-मंगल दायक जय हे
भारत-भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।

सत्र 2020-2021

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद

नि:शुल्क वितरण हेतु

आवरण पृष्ठ : अनुपम प्रकाशन, पंचवटी, मथुरा द्वारा मुद्रित